94.00 हे0 अवनत वन भूमि पर क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपयुक्तता प्रमाण पत्र

ओबरा–सी बदायूँ ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 400 के0वी0 डबल सर्किट जौनपुर–ओबरा पारेषण लाइन की स्थापना से 46.879 हे0 आरक्षित एवं संरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी। प्रभावित वन भूमि के बदले मीरजापुर वन प्रभाग के अन्तर्गत दुगुने अवनत वन भूमि 46.879 हे0 x 2 = 93.758 हे0 या 94.000 हे0 वन भूमि पर निम्न प्रकार से क्षतिपूरक वनीकरण किया जाना प्रस्तावित है :–

क0 सं0	रेंज का नाम	बीट का नाम	क0न0	अवनत वनभूमि का क्षेत्रफल (हे0में)
1	मड़िहान	बेला	बेला क0न0–5 व 6	94.00

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त अवनत वन भूमि पर शीशम, इमली, नीम, आम, केसिया सेमिया, महुआ, कठसागौन, सागौन, ऑवला, कंजी, चिलबिल, सेमल एवं जामुन आदि के पौधो का रोपण किया जायेगा जो प्रबन्धकीय दृष्टिकोण से सर्वथा उचित है, तथा क्षतिपूरक वनीकरण हेतु प्रस्तावित उक्त आरक्षित वन भूमि विवाद रहित तथा अतिक्रमण से मुक्त है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
मड़िहान रेंज
मीरजापुर वन प्रभाग

प्रभागीय वनाधिकारी
मीरजापुर वन प्रभाग, मीरजापुर

उप प्रभागीय वनाधिकारी
चुनार